M. T. B. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. Ref.

Sec. 1093

Title: Narayan Panjarka Stotra

1093

Complete

C

		Narayan Panjara Stotra	Title
		Shankaracharya	Author
			Editor
SAC			Year, Vols.
			Publisher
1093			Remarks

॥ श्री ॥

॥ अथ नारायण पंजर स्तोत्र प्रारंभः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ करुणापारावारा वरुणाल
यगंभीरा ॥ नारा० ॥ घननीरदसंकाश कृतक
लिमलनाशन ॥ नारा० ॥ यमुनातीरविहार धृ
तकौस्तुभमणिहारा ॥ नारा० ॥ पीतांबरपरिधा
ना सुरकल्याणनिधाना ॥ नारा० ॥ मंजुलगुं
जाभूषा मायामानुषवेषा ॥ नारा० ॥
राधाधरमधुरसिका रजनीकरकुलतिलका ॥
नारा० ॥ जलरुहदलनिभनेत्रा जगदारंभक
सूत्रा ॥ नारा० ॥ मुरलीगानविनोदा वेदस्तुतभू
पादा ॥ नारा० ॥ उद्धरभूधरभारा हतधेनु
[illegible] ॥ [illegible]
नटनाटकफणिक्रीडा ॥ नारा० ॥ वारिजभूषा
रणा राधारुक्मिणिरमणा ॥ नारा० ॥ पापकरज
नीसंहरकमलालयमासुंदर ॥ नारा० ॥ मायावि
णमपि भासुर माधव मायामलहर ॥ नारा० ॥ अ
घबकक्षयकंसारे केशव कृष्ण मुरारे ॥ नारा० ॥
हाटकनिभपीतांबर अभयं कुरु मे मावर ॥ नारा० ॥
दशरथराजकुमारा दानवमदसंहारा ॥ नारा० ॥
गोवर्द्धनगिरिधरणा गोपीमानसहरणा ॥ नारा० ॥
सरयूतीरविहारा सज्जनऋषिमंदारा ॥ नारा० ॥
विश्वामित्रमखत्रा विविधपराचरित्रा ॥ नारा० ॥
ध्वजवज्रांकुशपादा धरणीसुतासहमोदा ॥ नारा० ॥
जनकसुतापरिपाला जयजयसंसृतिलीला ॥ नारा० ॥
दशरथवाग्धृतिभारा दंडकवनसंचारा ॥ नारा०
मुष्टिकचाणूरसंहारा [illegible]

[illegible]

नटनाटक फणक्रीड ॥ नारा॰ ॥ वागीरजभ घा॰

रणाराधार कैगिरिरमणा ॥ नारा॰ ॥ पाप करज

नीसंहर करुणालय मामुद्धर ॥ नारा॰ ॥ मायावि

णमपि भवसुर माधव मायामलहर ॥ नारा॰ ॥ अ

घवगक्षय कंसारे केशवकृष्णमुरारे ॥ नारा॰ ॥

हाटकनिभपीतांबर अभयंकुरमेमावर ॥ नारा॰ ॥

दशरथराजकुमारा दानवमदसंहारा ॥ नारा॰ ॥

गोवर्धनगिरिधरण गोपीमानसहरण ॥ नारा॰ ॥

सरयूतीरविहारा सज्जनऋषिमंदारा ॥ नारा॰ ॥

विश्वामित्रमखत्रा विविधपराचरित्रा ॥ नारा॰ ॥

ध्वजवज्रांकुशपादा धरणीसुतासहमोदा ॥ नारा॰ ॥

जनककसुतापरिपाला जयजयसंस्मृतिलीला ॥ ना॰

दशरथवाग्धृतिभारा दंडकवनसंचारा ॥ नारा॰

मुष्टिकचाणूरसंहारा [illegible]

वालीनिग्रहशौर्यावर सुग्रीवहितार्थ ॥ नारा॰

मामुरलीधर धीवर पालय पालय श्रीवर ॥ नारा॰ ॥

माटिक्रामदलनाट्यानट गुणविविधधनाढ्या ॥ ना॰

गौतमपत्नीपूजनकरुणाघनावलोकन ॥ नाराय॰ ॥

संभ्रमसीताहारा साकेतापूरनीवासा ॥ नारा॰ ॥

अचिरलोकृति नचंचुर भक्तोनुग्रहतत्पर ॥ ना॰

नैगमगानविनोदा रक्षकसुतप्रह्लादा ॥ नारा॰ ॥

भारतियतिवरशंकरनामामृतमखिलांतर ॥ ना

नारायण नारायण जयगोविंद हरे नारायण

नारायण जय गोपाल हरे ॥ इति श्रीमच्छंकरा

चार्यविरचितं नारायणपंजरस्तोत्रं संपूर्णं ॥

श्रीनारायणार्पणमस्तु ॥ रंगनाथ धवारे लिखितं